**भारत सरकार**

**वित्त मंत्रालय**

**आर्थिक कार्य विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 74**

**(जिसका उत्तर मंगलवार, 11 दिसंबर, 2018/20 अग्रहायण, 1940 (शक) को दिया जाना है।)**

**आर्थिक विकास के कारण गरीबी में कमी**

**74. श्री प्रभात झा:**

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या आर्थिक विकास की दर उच्च रहने से गरीबी की दर में तेज़ी से कमी आती है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या 2014 के बाद देश की आर्थिक विकास दर, कुछ अपवादों को छोड़कर, लगातार उच्च रही है और फलस्वरूप गरीबी की दर में तेज़ी से कमी आई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**वित्त राज्य मंत्री (श्री पोन्. राधाकृष्णन्)**

(क) से (घ): आर्थिक वृद्धि, विशिष्ट गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों सहित विभिन्न विकास योजनाओं के जरिए देश में गरीबी को कम करने में योगदान देती है। भारतीय अर्थव्यवस्था में 2013-14 के दौरान वृद्धि दर नीचे सारणी में दर्शायी गई है।

सारणी: स्थिर मूल्यों (2011-12) के आधार पर 2013-14 से 2017-18 के दौरान जीडीपी वृद्धि दर।

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **वर्ष** | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 (**अ.अ**) |
| जीडीपी वृद्धि (प्रतिशत में) | 6.4 | 7.4 | 8.2 | 7.1 | 6.7 |

स्रोत: केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय, अ.अ: अनंतिम अनुमान

2011-12 के लिए भारत की आधिकारिक गरीबी के नवीनतम अनुमान, ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी की रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले व्यक्तियों की अनुमानित संख्या 25.7 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 13.7 प्रतिशत तथा संपूर्ण देश में 21.9 प्रतिशत थी।

\*\*\*\*\*